

चैट जी.पी.टी. (Chat GPT) : शैक्षिक जगत् के लिए अवसर या चुनौती।

Dr. Sunil Kumar Pandey

Assistant Professor (Faculty of Education)

Maharana Pratap Government Post Graduate College, Hardoi, U. P.

सारांश

चैट जीपीटी एक कृत्रिम बुद्धि चैटबॉट (Artificial Intelligence Chatbot) है। इसका विकास अमेरिकन कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान प्रयोगशाला (Artificial Intelligence Research Laboratory) ओपेन ए. आई. द्वारा किया गया है। चैट जीपीटी का शुभारम्भ नवम्बर 2022 में किया गया। यह शिक्षा प्रणाली को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। यह पर्यवेक्षित तथा प्रबलित अधिगम दोनों ही प्रविधियों के अनुरूप कार्य करता है। यह प्रयोगकर्ता के साथ संवादात्मक परिस्थिति के माध्यम से शंकाओं का समाधान, त्रुटिपूर्ण उत्तरों में संशोधन, निबंध या ब्लॉग आदि लिखने की क्षमता रखता है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली को चैटजीपीटी किस प्रकार प्रभावित कर सकता है की सांगोपांग विवेचना प्रस्तुत शोध आलेख में किया गया है।

मुख्य शब्दः— शिक्षा, चैटजीपीटी, अधिगम, कृत्रिम बुद्धि, सॉफ्टवेयर।

प्रस्तावना:

मनुष्य के विकास में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सभ्यताओं के प्रारम्भिक काल से लेकर वर्तमान समय तक शिक्षा प्रणाली में निरंतर व्यापक परिवर्तन देखने को मिलता रहा है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में वैदिक, बौद्ध एवं मुस्लिम काल की शिक्षा व्यवस्था में पर्याप्त भिन्नता पायी जाती है। अंग्रेजों के आगमन के फलस्वरूप भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली का बीजारोपण हुआ। स्वतंत्रता के पश्चात् अपने राष्ट्र की आवश्यकताओं, उद्देश्यों एवं प्राथमिकताओं के अनुसार शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन व परिमार्जन करने का प्रयास किया गया। इस अभीष्ट की पूर्ति हेतु अनेक शिक्षा आयोगों व समितियों की नियुक्ति तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीतियाँ निर्मित की गयीं। इसका परिणाम यह हुआ कि शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र यथा: शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, शिक्षक प्रशिक्षण, परीक्षा, मूल्यांकन, प्रशासन आदि में गुणात्मक रूप से व्यापक परिवर्द्धन हुआ। प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के निरन्तर विकास ने भी शिक्षा प्रणाली को सार्थक रूप से प्रभावित किया है। रेडियो, दूरदर्शन, इण्टरनेट, इण्टरनेट, वीडियो-कांफ्रेंसिंग, मल्टीमीडिया, आदि ने शिक्षण, प्रशिक्षण व अनुदेशन की प्रक्रिया को अधिक सक्षम व प्रभावशाली बनाने का कार्य किया है। कोविड काल के दौरान शिक्षा प्रदान करने के लिए एकमात्र साधन के रूप में ऑन लाइन शिक्षण एवं अनुदेशन को ही प्रयोग में लाया जा सका। ऑन लाइन शिक्षण को संभव बनाने में सूचना तकनीकी के अनेक प्रोग्राम अनुप्रयोग (Program Applications) जैसे जूम, गुगल मीट, गुगल क्लासरूम, डुडलक्लासरूम, व्हाट्सएप, यू ट्यूब, फेसबुक आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। चैट जीपीटी भी कृत्रिम बुद्धि पर आधारित एक प्रोग्राम अनुप्रयोग (Program Applications) है, यह मानव की तरह ही संवादात्मक परिस्थिति में पूछे गये प्रश्नों का उत्तर देता है तथा शंकाओं का समाधान प्रस्तुत करता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः—

दशकों पहले मनुष्य के दिमाग में एक ऐसी मशीन के बारे में विचार आया जो मानव से परस्पर अन्तर्क्रियात्मक वार्तालाप कर सकने में सक्षम हो। एम0आई0टी0 (M.I.T.) में कार्यरत कम्प्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वाइजेनबाउम ने 1960 के दशक में पहला चैटबॉट का निर्माण किया जिसको एलिजा (ELIZA) के नाम से जाना गया। एलिजा एक साइकोथेरेपिस्ट के रूप में पूछे गये प्रश्नों का उत्तर स्क्रिप्ट प्रतिक्रिया के रूप में देता था। कम्प्यूटर साइन्स में उत्तरोत्तर विकास के फलस्वरूप चैटबॉट के स्वरूप में भी निरन्तर विकास होता रहा। स्वभाविक भाषा संक्रिया (Natural Language Processing) प्रौद्योगिकी के विकास के कारण चैटबॉट के विकास में नया मोड़ आया। एन. एल. पी. तकनीकी के कारण चैटबॉट अधिक परिशुद्धता के साथ मानवीय भाषा को समझने तथा तदनु रूप प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो गया। 2000 के दशक के प्रारम्भिक वर्षों में इसका प्रयोग ग्राहक सहायता व सेवा के लिए किया जाने लगा। हाल के वर्षों में कृत्रिम बुद्धि (Artificial Intelligence) व मशीन भाषा (Machine

Language) के विकास ने इसके अधिक उन्नत संस्करण के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वर्तमान में ए.आई. तथा मशीन लैंग्वेज के संयोजन के फलस्वरूप आधुनिक चैटबॉट अधिक प्रभावशीलता तथा परिशुद्धता के साथ स्वभाविक रूप में मानवीय भाषा को समझने व अनुकिया करने के योग्य हो सके हैं, फलस्वरूप इनका प्रयोग व्यापक उद्देश्यों के पूर्ति के लिए किया जाने लगा है।

अध्ययन का उद्देश्य:— प्रस्तुत लेख के निम्नलिखित उद्देश्य हैं—

- [1]. चैटजीपीटी की अवधारणा को स्पष्ट करना।
- [2]. शिक्षा के क्षेत्र में चैटजीपीटी की उपयोगिता पर प्रकाश डालना।
- [3]. चैटजीपीटी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का विवेचन करना।

चैटजीपीटी की अवधारणा:—

चैटजीपीटी (GPT-Generative Pre-Trained Transformer) एक प्रबल कृत्रिम बुद्धि (A.I.) आधारित बॉट है जो मानव के बात को जानकर तदनु रूप समझ में आने योग्य गम्भीर लेख प्रस्तुत करता है। इस चैटबॉट का प्रश्नोत्तर प्रारूप इसकी रोचकता को बनाता है। यह प्रश्नों का सटीक उत्तर प्रदान करता है, अपनी गलतियों को स्वीकार तथा अनुचित अनुरोधों को अस्वीकार करता है। चैटजीपीटी सर्च इंजन की तरह कार्य करता है। अमेरिका के सिलिकन घाटी का एक स्टार्टअप ओपेन ए.आई. ने चैटजीपीटी का विकास नवम्बर 2022 में किया है। यह एक कृत्रिम बुद्धि (A.I.) सॉफ्टवेयर है, जिसको एल. एल. एम. (Large Language Model- L.L.M.) सॉफ्टवेयर कहा जाता है। यह मनुष्य की भाँति ही टेक्स्ट (Text) की रचना कर सकता है। इसकी रचना में गहन अधिगम तकनीकी (Deep Learning Technique) जिसको हस्तान्तरण तकनीकी (Transfer Technology) भी कहते हैं का प्रयोग किया गया है। हस्तान्तरण (Transfer) एक प्रकार का तंत्रिका संजाल होते हैं जो अनुक्रमित प्रकार के ऑकड़ों (शब्द, वाक्यांश आदि) के संक्रिया को अधिक तार्किक ढंग से संपादित करते हैं। इसके प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतों यथा— ग्रन्थों, पत्र-पत्रिकाओं के आलेखों, वेबसाइट्स से बहुत विशाल मात्रा में टेक्स्ट डाटा (पब्लिक डाटा) का संभरण किया गया है। टेक्स्ट डाटा के पैटर्न के पहचान के लिए इसमें एक अन्य प्रक्रिया को समाहित किया गया है, जिसको अपर्यवेक्षित अधिगम (Unsupervised Learning) कहते हैं। इससे चैटबॉट पूर्ण रूप से प्रशिक्षित होकर स्वभाविक भाषा को समझने व निर्माण करने में समर्थ हो जाता है तथा शब्दों एवं वाक्यांशों के अर्थ व संदर्भ को समझकर तथा वांछित विश्लेषण के आधार पर टेक्स्ट का निर्माण करता है। इसमें संभरित अपार टेक्स्ट डाटा के आधार पर यह हमारे प्रश्नों का उत्तर तैयार करता या अनुबोध हेतु प्रतिक्रिया करता है, उत्तर के निर्माण में यह उपयोगकर्ता के संतुष्टि के स्तर का भी ध्यान रखता है, यदि उपयोगकर्ता किसी उत्तर से संतुष्ट न हों तो यह उत्तरों में संशोधन भी करता है। बहुत से समाज वैज्ञानिक चैटजीपीटी का प्रयोग लोगों की अभिवृत्ति, मत व व्यवहार को जानने व समझने के लिए कर रहे हैं, इस प्रकार अनुसंधान कार्यों में भी इसका उपयोग प्रारम्भ हो गया है।

चैटजीपीटी एवं शिक्षा:— शिक्षा मनुष्य के विकास की आधारशिला होती है। इसके द्वारा ही किसी भी व्यक्ति को आवश्यक ज्ञान, कौशल व दक्षताओं से युक्त किया जाता है, जिससे कि वह राष्ट्र व समाज के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दे सके। औपचारिक विद्यालयी शिक्षा, व्यवसायिक प्रशिक्षण ऑनलाइन पाठ्यक्रम व स्व-निर्देशित शिक्षा सहित यह विभिन्न रूपों में प्रचलित है। जहाँ तक चैटजीपीटी का शिक्षा पर प्रभाव का प्रश्न है, तो यह ए.आई. मॉडल अनेक प्रकार से शिक्षा प्रक्रिया के लिए उपयोगी हो सकता है, जिसका विवेचन निम्नलिखित प्रकरणों के अन्तर्गत किया गया है—

विद्यार्थियों के लिए चैटजीपीटी की उपयोगिता:—

चैटजीपीटी ए.आई. संधारित एवं संचालित चैटबॉट है जो विद्यार्थियों के लिए अनेक प्रकार से उपयोगी है। यह विद्यार्थियों को अग्रलिखित प्रकार से उनके अध्ययन में सहायक हो सकता है।—

24 / 7 सहायता एवं मार्गदर्शन की अभिगम्यता:— विद्यार्थियों के समक्ष इसकी उपलब्धता 24*7 होती है, अस्तु यह उनकी शैक्षिक समस्याओं के निवारणार्थ आवश्यकता के अनुरूप सुलभ मार्गदर्शन व सहायता प्रदान कर सकता है। इस प्रकार यह सर्वसुलभ व प्रभावी शैक्षिक संसाधन के रूप में कार्य करता है। किसी छात्र को कठिन कार्य में सहायता की आवश्यकता हो या मात्र किसी प्रश्न का उत्तर चाहिए हो तो चैट जीपीटी हमेशा मदद के लिए मौजूद है।

शैक्षिक पृष्ठभूमि के अनुसार व्यक्तिगत सूझाव:— शिक्षा के क्षेत्र में चैट जीपीटी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण लाभों में से एक व्यक्तिगत शिक्षा है। चैट जीपीटी के मदद से विद्यार्थी ऐसी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं जो 'एक ही साँचे में सभी फिट' दृष्टिकोण के बजाय उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हो। सीखने के पारम्परिक तरीकों से हटकर चैट जीपीटी विद्यार्थियों को तुरन्त अपनी

प्रतिक्रिया प्रदान करता है परिणामतः सीखना अधिक तीव्र व प्रभावशाली हो जाता है। चैटजीपीटी विद्यार्थियों के अधिगम इतिहास का विश्लेषण कर उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करता है, एतद्दर्श कोई भी विद्यार्थी विशिष्ट विषयों या क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन को सुधारने के तरीके पर लक्षित सलाह प्राप्त कर सकता है।

प्रश्नों का सटीक व त्वरित उत्तर:- चैट जीपीटी को हमारे प्रश्नों के त्वरित व सटीक उत्तर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। चाहे हमें किसी विशिष्ट विषय पर जानकारी की आवश्यकता हो या किसी गुढ़ अवधारणा को समझने की जरूरत हो, यह हमको आवश्यक उत्तर प्रदान कर सकता है।

उन्नत अध्ययन कौशल एवं समय प्रबंधन:- चैट जीपीटी विद्यार्थियों को उन्नत अध्ययन कौशल एवं समय प्रबंधन रणनीति विकसित करने में मदद कर सकता है। चौटबॉट छात्रों को उनके वर्कलोड को प्रबंधित करने के लिए युक्तियाँ व रणनीतियाँ प्रदान कर अच्छी अध्ययन आदतें विकसित करने में उनकी सहायता कर सकता है।

अधिगम के साथ जुड़ाव व अभिप्रेरणा को बढ़ाने में सहायता:- चैट जीपीटी विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सहायता व मार्गदर्शन प्रदान कर उनको अधिगम के ट्रैक पर बने रहने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता कर सीखने के साथ जुड़ाव व प्रेरणा बढ़ाने में सहायता कर सकता है।

स्वयं चैट जीपीटी के अनुसार— “चैट जीपीटी के रूप में अनेक तरीकों के बारे में सोच सकता हूँ जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकते हैं:

1. **प्रश्नों के जबाब देना:** ए आई संचालित चैटबॉट के रूप में, मैं विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रश्नों के एक विस्तृत श्रृंखला का उत्तर प्रदान करने में सक्षम हूँ।
2. **अध्ययन संसाधन प्रदान करना:** मैं विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों, लेखों, विडियो व अन्य संसाधनों जैसी अध्ययन सामग्री तक पहुँच प्रदान करके उनकी सहायता कर सकता हूँ।
3. **अध्ययन युक्तियाँ प्रदान करना।**
4. **अनुसंधान में सहायता करना:** विद्यार्थियों को अनुसंधान परियोजनाओं में सहायता की आवश्यकता होने पर मैं प्रासंगिक स्रोतों को खोजने या किसी विशेष विषय पर विभिन्न दृष्टिकोणों को खोज करने में उनकी मदद कर सकता हूँ।
5. **असाइनमेंट तैयार करने में सहायता:** मैं विद्यार्थियों की असाइनमेंट की आवश्यकताओं को समझने, विभिन्न प्रकरणों पर सुझाव देने व उनके कार्य पर प्रतिक्रिया देने में उनकी सहायता कर सकता हूँ।
6. **कैरियर मार्गदर्शन:** मैं विद्यार्थियों को उनके कौशलों व अभिरुचियों के अनुसार संभावित कैरियर मार्ग की खोज करने में उनकी सहायता कर सकता हूँ।
7. **मानसिक स्वास्थ्य रक्षण में सहायता:** मैं विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान कर सकता हूँ, दुश्चिंता व तनाव के प्रभावी प्रबंधन से सम्बन्धित आवश्यक संसाधन व सामग्री प्रदान कर इसमें उनकी मदद कर सकता हूँ।
8. **परिसर के जीवन को आसान बनाने में सहायता।**
9. **कैंपस सेवाओं तक पहुँच बनाने में सहायता।**

शिक्षकों के लिए चैटजीपीटी की उपयोगिता:-

शिक्षकों के लिए चैटजीपीटी अनेक प्रकार से उपयोगी हो सकता है। इसका शिक्षकों के लिए कुछ संभावित अनुप्रयोग निम्नवत् कार्यो में हो सकता है—

1. **मूल्यांकन:-** चैटजीपीटी विद्यार्थियों की किसी विषय में प्रगति व निष्पादन का मूल्यांकन में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर सकता है। पाठ्यक्रम एवं उद्देश्यों के अनुरूप यह परीक्षण, क्विज या एसाइनमेंट का निर्माण कर सकता है। यह विद्यार्थियों द्वारा किये गये कार्यो को ग्रेड प्रदान करने में सक्षम है। यह छात्रों के सुधार के लिए व्यापक प्रतिपुष्टि व सुझाव प्रदान कर सकता है।
2. **शिक्षण विषयवस्तु के निर्माण में सहायक:-** चैटजीपीटी सिखने व सिखाने के लिए अनेक प्रकार की विशेषताओं से युक्त आकर्षक व अधिगमोपयोगी सामग्री के निर्माण में शिक्षकों की सहायता कर सकता है। यह उपयोगकर्ता के पसन्द के विषय, प्रारूप एवं शैली के अनुसार पाठ, चित्र, ऑडियो, विडियो या कोड उत्पन्न कर सकता है। यह विषयवस्तु को फिर से लिखने, संशोधित, व्यवस्थित व अनुकूलित करने में भी सहायता कर सकता है।
3. **सहयोग:-** चैट जीपीटी शिक्षकों व विद्यार्थियों के मध्य अनेक प्रकार से सहयोग की सुविधा प्रदान कर सकता है। यह वाद-विवाद, समूह चर्चाओं या परियोजनाओं के लिए मध्यस्थ, मॉडरेटर या सूत्रधार की भूमिका निभा सकता है। यह समूह के उद्देश्यों और रुचियों के आधार पर सुझाव, अन्तर्दृष्टि या मार्गदर्शन भी प्रदान कर सकता है।

4. शिक्षण योजना व पाठ योजना को बनाने में शिक्षकों के लिए यह बहुत सहायक हो सकता है। लेखक द्वारा चैटजीपीटी से भारत के जलवायु पर पाठ योजना बनाने को कहने पर, चैट जीपीटी ने निम्नवत् पाठयोजना का निर्माण किया।

Enter your message to start a chat. This could be a question, a statement, or any other text.

Make a Lesson Plan on Climate of India

Grade Level: Middle School (6th-8th)

Objective: Students will be able to understand the climate of India and its impact on the geography and economy of the region.

Materials:

- Maps of India
- Pictures of the different regions in India
- Climate graphs of different regions in India
- Articles about climate change in India

Procedures:

1. Introduction:
 - Begin the lesson by asking students to share what they know or have heard about the climate in India.
 - Show pictures of different regions in India and ask students to identify any differences in climate that they see.
2. Lecture on the climate of India:
 - Using maps, show the different regions in India and their climates.
 - Explain the factors that determine the climate of each region, including latitude, elevation, and proximity to water bodies.
 - Show climate graphs of different regions in India and explain what they show about temperature and precipitation patterns.
 - Emphasize how these climate patterns impact the geography and economy of the region, such as the fertile soil in the Gangetic Plain and the monsoon season that brings water for agriculture.
3. Activity:
 - Divide students into small groups and assign each group a region in India.
 - Have each group research and create a presentation about the climate of their assigned region.
 - In their presentation, students should include information about temperature, precipitation, and any unique climate features.
 - They should also share how the climate impacts the geography and economy of their assigned region.

4. Conclusion:

- In a class discussion, ask students to share what they learned about the climate of India and how it impacts the region as a whole.
- Show articles about climate change in India and discuss the potential impact on the region's climate in the future.
- Encourage students to think about actions they can take to reduce their carbon footprint and mitigate climate change.

Assessment:

अनुसंधान एवं चैट जीपीटी:-

इस चैटबॉट का प्रयोग वैज्ञानिक अनुसंधान लेखन में किया जा सकता है। चैट जीपीटी पहले ही चिकित्सा से सम्बन्धित शोधकर्ताओं के शोध लेख तथा शोध सारांश लिखने में सक्षम पाया गया है। साहित्यिक शोध कार्यों में प्रदत्तों या सूचनाओं को सारांशित करने, प्रारूप से सम्बन्धित अनुबोध, सन्दर्भ तथा शोध प्रकरण से सम्बन्धित सूझाव देने में सक्षम है। यह सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा, लेख को अधिक पठनीय या शोध पत्र के सम्पूर्ण ड्राफ्ट को लिखने में सक्षम है। वस्तुतः चैट जीपीटी स्वचालित ड्राफ्ट की उत्पत्ति, शोध सारांश तथा भाषागत अनुवाद जैसे कार्यों के लिए एक शक्तिशाली व आशाजनक उपकरण बन सकता है, जिससे लेखन कार्य आसानी और तीव्रता से किया जा सकता है। यह शोधकर्ताओं व वैज्ञानिकों को आधार सामग्री को व्यवस्थित करने, प्रारम्भिक प्रारूप तैयार करने तथा प्रुफरीडिंग में सहायता कर सकता है। यह नाना प्रकार के प्रकरणों पर मूलपाठ की उत्पत्ति कर सकता है, परन्तु यह नया विचार उत्पन्न नहीं कर सकता है। हालांकि अनुसंधान लेखन में इस ए.आई. चैटबॉट का प्रयोग कुछ विशेष नैतिक आशंकाओं व चिंताओं को जन्म देता है, जैसे कि भावहरण (साहित्यिक चोरी) व अशुद्धियों का जोखिम, एतद्दर्श इसको विनियमित किया जाना चाहिए। चैटजीपीटी का उपयोग मानव निर्णय के प्रतिस्थापन के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

चैट जीपीटी के कारण उत्पन्न चुनौतियाँ:-

निविष्ट इबारत (Input Text) के आधार पर मूलपाठ (Text) उत्पन्न करने में सक्षम ए. आई. भाषा मॉडल के रूप में चैटजीपीटी का शिक्षा पर निम्नलिखित खतरनाक प्रभाव हो सकता है—

मानव सम्पर्क का अभाव:- चैटजीपीटी एक स्वचालित प्रणाली है, जिसका तात्पर्य यह है कि इसमें मानव सम्पर्क के रूप में भावपूर्ण व्यक्तिगत व सामाजिक सम्बन्धों का अभाव है, परिणामतः अत्यल्प प्रभावी अधिगम अनुभव हो सकता है। चैटजीपीटी को भावनात्मक आवश्यकताओं का उत्तर देने के लिए प्रोग्राम नहीं किया गया है, अस्तु यह उन शिक्षार्थियों के लिए समस्याप्रद हो सकता है जिन्हें व्यक्तिगत प्रतिक्रिया की जरूरत होती है।

प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भरता:- विद्यार्थी व शिक्षक चैटजीपीटी जैसी प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भर हो सकते हैं, फलस्वरूप विद्यार्थियों के मौलिक लेखन कौशल तथा महत्वपूर्ण विचार व चिंतन क्षमता का विकास अवरुद्ध होने का खतरा पैदा हो सकता है।

नैतिकता सम्बन्धी मुद्दे:- संभावित रूप से चैटजीपीटी इस प्रकार की सामग्री भी उत्पन्न कर सकता है जो नैतिक दृष्टिकोण से अनुचित व आकामक हो, परिणामस्वरूप विधिक अतिक्रमण सम्बन्धी मुद्दे पैदा हो सकते हैं जिसके कारण किसी शैक्षिक संस्थान की प्रतिष्ठा भी खतरे में पड़ सकती है।

छद्म व भ्रामक जानकारी:- चैटजीपीटी प्रशिक्षण डेटा के प्रकृति व पैटर्न तथा उदाहरणों के आधार पर प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करता है, परन्तु इसमें यथार्थ समय का ज्ञान व तथ्यों के परीक्षण करने की क्षमता नहीं होती है, एतद्दर्श चैटजीपीटी छद्म व भ्रामक जानकारी उत्पन्न कर सकता है, जो ज्ञान के रूप में प्रसारित भी हो सकती है, जिससे विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण अवधारणाओं व तथ्यों का भ्रान्तिबोध हो सकता है।

भावहरण या साहित्यिक चोरी:- विद्यार्थीगण सम्पूर्ण असाइनमेन्ट बनाने के लिए या कोई निबन्ध लिखने के लिए चैटजीपीटी पर भरोसा करके इसका दुरुपयोग कर सकते हैं जिससे साहित्यिक चोरी हो सकती है, अतः शैक्षणिक संस्थाओं व विद्यार्थियों को ए. आई. उपकरणों के समुचित उपयोग के बारे में शिक्षित करने तथा शैक्षणिक सत्यनिष्ठा के महत्व पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है।

सीमित परिक्षेत्रः— पूर्व निवेशित डेटा पर आधारित चैटजीपीटी एक ए.आई मॉडल है, अस्तु यह बहुत अधिक संभव है कि इसकी पहुँच सभी आवश्यक व अद्यतन सूचनाओं तथा तथ्यों तक न हो सके, एतद्दर्श इसकी प्रतिक्रियाएँ शिक्षार्थी की सम्पूर्ण अधिगम आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त तथा व्यापक नहीं भी हो सकती हैं।

रचनात्मकता के लिए हानिप्रदः— शिक्षक विद्यार्थियों का ध्यानाकर्षण तथा अधिगम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए रचनात्मकता का अधिक उपयोग करते हैं, किन्तु चैटजीपीटी में रचनात्मकता का सर्वथा अभाव है, फलतः इससे पाठ्य सामग्री कम आकर्षक व रोचक हो सकती है।

निष्कर्षः—

ए.आई भाषा मॉडल के रूप में चैटजीपीटी शिक्षा के लिए उपयोगी या हानिकारक है यह विशुद्ध रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है। इसकी प्रभावी उपयोगिता को सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि पारम्परिक शिक्षण विधियों के साथ ए.आई प्रौद्योगिकी के उपयोग में सम्यक् संतुलन बनाया जाये जिससे कि शिक्षार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता के साथ ही उनमें स्वतंत्र रूप से सीखने की क्षमता का विकास किया जा सके। अतः चैटजीपीटी शैक्षिक जगत् के लिए खतरनाक नहीं है अपितु शिक्षा के क्षेत्र में इसके प्रयोग का स्वागत किया जाना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में इसकी भूमिका चुनौतीपूर्ण न होकर सम्पूरक व सहयोगात्मक ही हो सकती है। अतः निष्कर्ष यह है कि कुछ आवश्यक सावधानियों के साथ चैटजीपीटी का प्रयोग लाभदायक व उपयोगी है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- [1.] ChatGPT's Use and Impact in the Field of Social Science Survey Research. By ChatGPT. Soundrocket.com, Retrieved on 14.03.2023
- [2.] ChatGPT - AI Chat Online, Make a Lesson Plan on Climate of India. <https://chatgpt.org>. (This task was given by author, 02-05-2023)
- [3.] How ChatGPT is usefull for students? (Answer given by Chat GPT) <https://novaappai.page.link> Retrieved on 30.04.2023
- [4.] Mallow, J. (2023), ChatGPT for Students: How AI Chatbots Are Revolutionizing Education, Emerging Technologies. <https://elaearningindustry.com>
- [5.] Open AI Team, Introducing ChatGPT, (2022), Open AI Team, Product Announcement. Nov 30, 2022. <https://openai.com>
- [6.] Salvagno, M. at.al. (2923), Can artificial Intelligence help for scientific writing?. Crit Care 27(75). <https://doi.org/10.1186/s13054-023-04380-2> <http://creativecommons.org/publicdomain/zero/1.0/>
- [7.] Shahriar, S. & Hayawi, K. (2023), Let's have a chat! A conversation with Chat GPT: Technology, Applications and Limitations. arxiv:2302.13817v2[cs.CL] <https://doi.org/10.48550/arXiv.2302.13817>. Retrieved on 14.03.2023
- [8.] Singh, H. (2023), Impact of Chat GPT on education, Economic & political Weekly. 58(9). <https://www.epw.in>
- [9.] पाण्डेय के. पी. (2005), नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- [10.] पाण्डेय आर. एस. (2008), शिक्षा दर्शन, आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन।
- [11.] लाल एवं शर्मा (2011), भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ, मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।